



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

लेखराम दन्नाना

Lekhram Dannana

प्रभारी, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग

In-charge head, Dept. of Sanskrit

साहित्य विद्यापीठ / School of Literature

दिनांक : 02.08.2018

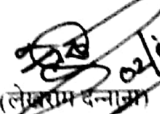
सूचना

विश्वविद्यालय के समस्त शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 06 अगस्त, 2018 से 20 अगस्त, 2018 तक पञ्चदश दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी संलग्न आवेदन पत्र पूरित कर lekhramdannana@gmail.com ईमेल पर 06/08/2018 को प्रातः 11:00 बजे तक भेजकर अथवा संस्कृत विभाग में आवेदन पत्र देकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

*संस्कृत विभाग के सभी छात्रों को उपस्थित रहना अनिवार्य है।

नोट : कार्यशाला का विवरण पत्रिका में प्रस्तुत है।

संलग्न आवेदन पत्र


02/08/18
(लेखराम दन्नाना)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र) भारत

Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha - 442 005 (Maharashtra), INDIA

वेबसाइट/Website : www.hindivishwa.org



महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पञ्चदश दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक : 06/08/2018 से 20/08/2018 तक

<u>आवेदन प्रपत्र</u>	
विद्यार्थी का नाम	
पाठ्यक्रम का नाम	
विभाग एवं विद्यापीठ का नाम	
मोबाईल नंबर	
ई-मेल	

दिनांक :

(आवेदक हस्ताक्षर)

ऋग्वेदः

ओ३म्

यजुर्वेदः



संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ

महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के द्वारा
पञ्चदश दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक ०६/०८/२०१८ से २०/०८/२०१८ तक

समय:- अपराह्न ०३:३० से ०५:३० तक (प्रतिदिन)

व्याख्यान कक्ष सं. - २२१ (साहित्य विद्यापीठ, म.गा.अ.हि.वि., वर्धा)

प्रशिक्षक:- श्रीवरदा मालगे

संस्कृत भारती, नागपूर

आयोजन समिति :

डॉ. श्री नारायण सिंह ,

डॉ. सुधा त्रिपाठी,

डॉ. वागीश राज शुक्ल ,

सुश्री एल्. सविता आर्या

संयोजक:- लेखराम दन्नाना

सहसंयोजक:- डॉ. भरत कुमार पंडा

सामवेदः

अथर्ववेदः